वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 131 | शुक्रवार 8 सितम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

प्रियंका गांधी की 10 को निवाई में सभा

इंदिरा रसोई ग्रामीण की लॉन्चिंग प्रियंका से करवाएंगे गहलोत, सियासी मैसेज देने का प्रयास

जयपुर. कासं

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी 10 सितंबर को टोंक जिले के निवाई में सभा करेंगीं। कांग्रेस प्रियंका गांधी की सभा की तैयारियों में जुट गई है। प्रियंका गांधी सभा से पहले निवाई के झिलाई गांव के विवेकानंद मॉडल स्कूल में इंदिरा रसोई ग्रामीण की लॉन्चिंग होगी। इस योजना की लॉन्चिंग प्रियंका गांधी से करवाई जाएगी। इसके बाद प्रियंका गांधी सभा को संबोधित करेंगी। निवाई की सभा में सीएम अशोक गहलोत, प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मंत्री मौजूद रहेंगे। कांग्रेस ने प्रियंका गांधी के दौरे की तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्रियंका गांधी की सभा में भीड़ जुटाने के लिए टोंक, जयपुर और दौसा के नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है। अब तक शहरों में आठ रुपए में खाने की योजना चल रही है। गहलोत ने गांवों में भी इंदिरा रसोई का सस्ता खाना उपलब्ध करवाने की घोषणा की थी। इसे इंदिरा रसोई योजना ग्रामीण के नाम से चलाया जाएगा। चुनावी साल में कस्बों ओर गांवों में आठ रुपए में खाने की योजना को सियासी फायदे के हिसाब से अहम माना जा रहा है।

हाईकमान के बड़े नेताओं से योजनाओं की लॉन्चिंग के पीछे भी रणनीति

बांसवाड़ा के मानगढ़ धाम में 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस पर राहुल गांधी की सभा करवाई गई थी। कांग्रेस ने भीलवाड़ा के गुलाबपुरा में 6 सितंबर को पार्टी अध्यक्ष मल्किार्जुन खड़गे की सभा करवाई थी। इस सभा में खड़गे से कामधेनु बीमा योजना की लॉन्चिंग करवाई गई। खड़गे की सभा के चार दिन बाद ही टोंक के निवाई में प्रियंका गांधी की सभा रखी गई है। हाईकमान से जुड़े नेताओं की सभाओं के पीछे भी सियासी रणनीति है। प्रियंका की सभा के जरिए सीएम कांग्रेस के अंदरूनी सियासी समीकरण साधने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रियंका गांधी की सभा से महिला वोटर्स को मैसेज देने की कोशिश

गहलोत सरकार महिला वोटर्स को फोकस कर रही है। 25 लाख महिलाओं को फ्री स्मार्टफोन दे रही है। महिलाओं के लिए इंदिरा प्रियदर्शनी फंड, फ्री राशन सहित कई योजनाएं शुरू की हैं। कांग्रेस इन योजनाओं के जरिए अब विधानसभा चुनावों में महिला वोटर्स को मैसेज देकर अपने पक्ष में करने का प्रयास कर रही है। प्रियंका गांधी की सभा और इंदिरा रसोई ग्रामीण की लॉन्चिंग के पीछे यही रणनीति है। प्रियंका गांधी विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में शुरू से सक्रिय प्रचार करती रही हैं। कर्नाटक, हिमाचल के चुनावों में प्रियंका गांधी ने जमकर चुनावी सभाएं की थी। अब राजस्थान में भी प्रियंका की सभाओं की शुरूआत हो रही है।

राजस्थान में डेंगू से 5 दिन में 2 मौतें

रोजाना आ रहे 100 से ज्यादा मरीज, कोटा में 1 महीने में 10 गुना बढ़े केस

जयपुर। राजस्थान में मानसून सीजन के कमजोर पड़ने के साथ ही मौसमी बीमारियां डेंगू-मलेरिया अब तेजी से बढ़ने लगी है। राज्य में हर रोज औसतन 100 से ज्यादा मरीज डेंगू के डिटेक्ट हो रहे हैं। पिछले सप्ताह सबसे ज्यादा केस कोटा और बीकानेर में बढ़े हैं। वहीं प्रदेश में 5 दिन में 2 मरीजों की मौत हो चुकी है। डेंगू के बढ़ते केसों को देखते हुए पिछले दिनों हेल्थ डिपार्टमेंट ने विशेष राज्य स्तरीय टीमें डेंगू प्रभावित जिलों में भिजवाकर वहां आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। राजस्थान में डेंगू की स्थिति देखे तो इस सीजन में अब तक 3100 से ज्यादा केस आ चुके हैं, जबकि 6 मरीजों की मौत हो चुकी है। जिलेवार रिपोर्ट देखें तो सबसे ज्यादा मरीज 675 जयपुर जिले में डिटेक्ट हुए हैं। इसके बाद दूसरा नंबर कोटा का आता है, जहां अब तक 435 से ज्यादा मरीज आ चुके है। कोटा में पिछले दिनों 1 मरीज की मौत भी हुई है। कोटा में

पिछले एक महीने में डेंगू के केस करीब 10 गुना बढ़े हैं। 4 अगस्त तक यहां डेंगू के केवल 46 केस थे, जो अब बढ़कर 435 से ज्यादा हो गए। इसी तरह बीकानेर में भी एक महीने पहले तक डेंगू के केवल 15 ही केस डिटेक्ट हुए थे, जो अब 5 गुना तक बढ़कर 75 हो गए।

इन जिलों में हुई मरीजों की मौत

राज्य में दौसा और कोटा ऐसे जिले हैं, जहां पिछले सप्ताह डेंगू से पीड़ित एक-एक मरीजों की मौत हुई है। डॉक्टरों का कहना है कि इस बार मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है, लेकिन इसमें गंभीर मरीज कम है। इसके कारण हॉस्पिटल में एडमिशन कम है। लोग परामर्श और दवाइयों से घरों पर ही ठीक हो रहे हैं। कुछ मरीजों में प्लेटलेट्स ज्यादा गिरने के मामले में सामने आ रहे हैं, जिनको एडमिट किया जा रहा है।

हाई रिस्क जिलों में भेजी टीम

पिछले दिनों अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने डेंगू-मलेरिया की बीमारियों पर रिव्यू किया था। तब उन्होंने डेटा के आधार पर बाड़मेर, कोटा, पाली, श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ समेत अन्य जिलों में बढ़ते केसेज को देखते हुए इन हाई रिस्क जिलों में इन बीमारियों को कंट्रोल करने के लिए स्पेशल टीमें भेजी थी। वहीं इन जिलों के कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने एरिया में नगर निगम, नगर परिषद और पालिका के सहयोग से मच्छर वाले इलाकों में फॉगिंग करवाएं।

नन्द के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की...

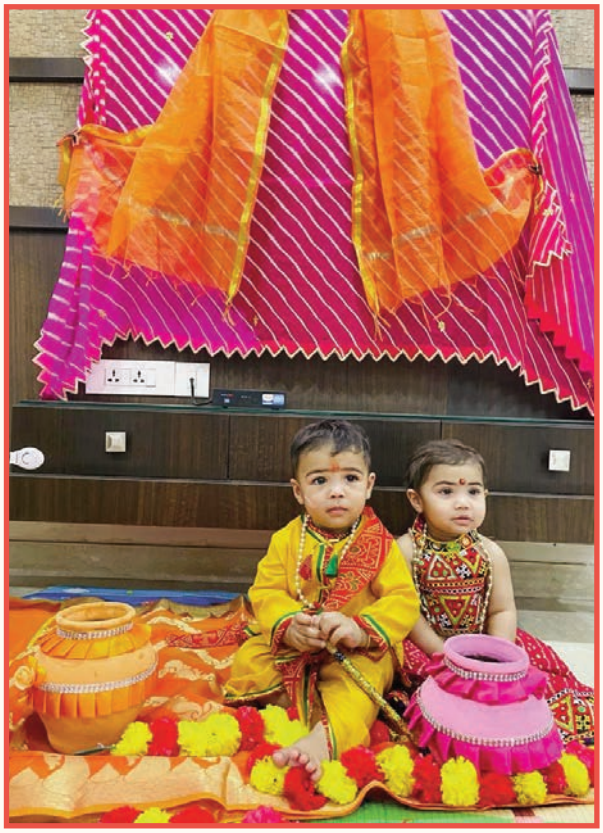

नन्द के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की...

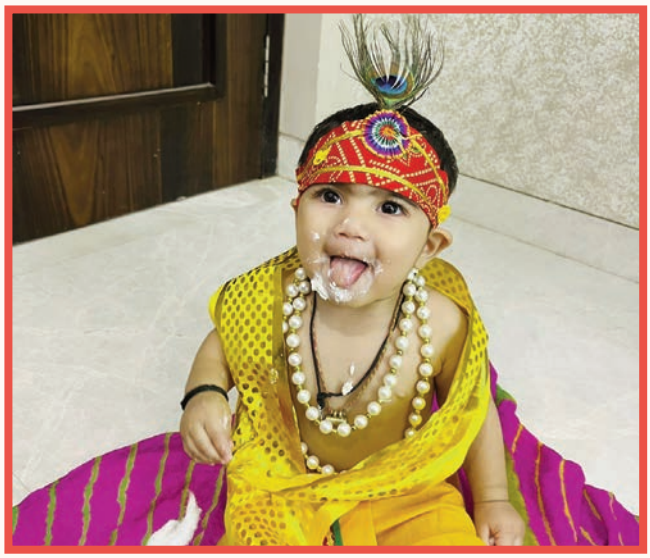

वेद ज्ञान

बुद्धि ज्ञान की अंतिम सीमा नहीं

आधुनिक युग सामाजिक अराजकता का युग है। इसे बौद्धिक क्रूरता का युग भी कहा जा सकता है। ऐसा लगता है कि सभ्यता रुग्ण हो चुकी है। इस संताप से मनुष्य को मुक्ति तभी मिल सकती है जब उसका जीवन आध्यात्मिक आकांक्षाओं से परिपूरित हो जाए। इस रोग का निदान आध्यात्मिक मूल्यों में खोजना होगा, भौतिक संपदाओं में नहीं। इस वैज्ञानिक युग में हमें बहुत कुछ करने की जानकारी है, किंतु हम यह नहीं जानते हैं कि ऐसा हम किसलिए कर रहे हैं। इसे बोधि के स्तर पर समझना है। जरूरी है कि हम अपनी बुद्धि की सीमा को पहचानें। बुद्धि ज्ञान की अंतिम सीमा नहीं है। उसके आगे बोधि की यात्रा चलती है। इसलिए 'सत्य-शिव-सुंदर' का बौद्धिक ज्ञान भले न हो, किंतु संबोधिक चेतना के स्तर पर उसका स्पष्ट बोध होता है। एक विशेष संदर्भ में 'शिवत्व' भले ही अज्ञेय हो, किंतु बोधि के स्तर पर उसकी सद्यः अनुभूत होती है। परम सत्ता बुद्धि के स्तर पर अज्ञेय होते हुए भी बोधि के स्तर पर साक्षात अनुभूत है। परम सत्ता की अज्ञेयता इस बात की चुनौती है कि हम अपनी बुद्धि की सीमा पहचानें और स्वातिक्रमण की प्रक्रिया से उस बंद आयाम को खोलें, जिसमें प्रवेश करते ही संत शिवत्व का साक्षात अनुभव कर लेता है। बुद्ध का बुद्धत्व इसी बोधि का संकेत है जिसे दिव्य ज्ञान का आयाम कहा जाना चाहिए। संत जीवन की परवाह किए बगैर अपने भीतर एक ऐसी सौम्य आस्था विकसित करते हैं, जिसकी सर्जना अपरिमित और आस्था अमर है। वे बौद्धिक ज्ञान में नहीं उलझते, बल्कि संबोधिक चेतना में परमात्मा का दीदार करते हैं। बौद्धिक ज्ञान खंडित है और संबोधिक ज्ञान अखंड और स्वतःसिद्ध है। इस कोटि का ज्ञान आत्मा की सद्यः अनुभूति है। यदि मैं कहूं कि मैं नहीं हूं तो भी मैं हूं, क्योंकि मैं ही कहता हूं कि मैं नहीं हूं। इसलिए खंडन करने से भी इसका मंडन हो जाता है। प्रकाश की तरह यह स्वयं प्रमाणित है। संत की वाणी बुद्धि के स्तर पर अटपटी लग सकती है। अध्यात्म का अपूर्व अर्थ संत ही समझता है। बुद्धि उपयोगी हो सकती है, किंतु सत्य नहीं।

संपादकीय

बंगाल में फिर सरकार और राज्यपाल के बीच विवाद

पश्चिम बंगाल में राज्य के सात विश्वविद्यालयों में अंतरिम कुलपतियों की नियुक्ति के फैसले के बाद एक बार फिर राज्यपाल और सरकार के बीच विवाद की स्थितियां दिखने लगी हैं। हालांकि वहां यह स्थिति नई नहीं है। कुलपतियों की नियुक्ति सहित कई अन्य मुद्दों पर एक तरह से सरकार और राज्यपाल के रूप में दो पक्ष बन गए हैं और दोनों के बीच प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से खींचतान चलती रहती है। विडंबना यह है कि नियमों के मुताबिक अंतिम रूप से किसी एक व्यवस्था को अमल में आना ही है, लेकिन इस टकराव का खमियाजा किसी न किसी रूप में आखिर आम जनता को उठाना पड़ रहा है। यों वहां कुलपतियों की नियुक्ति के मसले पर अधिकार से जुड़ा विवाद पिछले कई महीने से चल रहा है, लेकिन रविवार को राज्यपाल ने जब सात विश्वविद्यालयों के लिए अंतरिम कुलपतियों की नियुक्ति को हरी झंडी दी, उसके बाद राज्य सरकार की ओर से तीखी प्रतिक्रिया उभरी। वहां के शिक्षा मंत्री ने राज्यपाल पर ''तानाशाहीपूर्ण'' तरीके से काम करने का दावा करते हुए यह भी आरोप लगाया कि इस कदम से विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली 'नष्ट' हो सकती है। दरअसल, कुलाधिपति के तौर पर राज्यपाल और राज्य सरकार की विश्वविद्यालयों में भूमिका से संबंधित एक विधेयक विधानसभा में पारित हो चुका है। शिक्षा मंत्री की ओर से इसी बुनियाद पर राज्यपाल के कदम को नियमों का उल्लंघन बताया जा रहा है। दूसरी ओर, ताजा मामले पर राज्यपाल के पक्ष में यह तर्क दिया जा रहा है कि कुलपतियों की अनुपस्थिति में विश्वविद्यालयों में अनिश्चितता का माहौल बन सकता है, इसलिए यह कदम सही है। हालांकि इस मसले पर पूर्व कुलपतियों सहित शिक्षाविदों के एक समूह ने भी राज्यपाल द्वारा कई अंतरिम कुलपतियों की नियुक्ति पर सवाल उठाया है। वहीं राज्य सरकार का दावा है कि वह इस मुद्दे पर राज्यपाल के साथ चर्चा करके मामले का हल निकालना चाहती है। लेकिन अगर सब कुछ इतना ही सहज है, तब वे कौन-से बिंदु हैं, जिसकी वजह से टकराव हो रहा है? करीब तीन महीने पहले भी कुलपतियों की नियुक्ति के मसले पर राज्य सरकार और राज्यपाल एक दूसरे के आमने-सामने आ गए थे। सवाल है कि अगर कुलपतियों की नियुक्ति के मामले में नियमों की कसौटी पर स्थितियां बिल्कुल स्पष्ट हैं, तब क्या राज्यपाल उसकी अनदेखी करके इस मामले में फैसले ले रहे हैं! अगर ऐसा नहीं है तो क्या सरकार की आपत्ति नाहक ही किसी विवाद को तूल देने की कोशिश है? पश्चिम बंगाल में राज्य सचिवालय और राज्यपाल के बीच अधिकार क्षेत्र को लेकर टकराव लंबे समय से जारी है। मौजूदा खींचतान से पहले वहां के पूर्व राज्यपाल जगदीप धनखड़ के दौर में विवाद काफी गहरा हो गया था। खासतौर पर विश्वविद्यालयों में कुलपति की नियुक्ति के मसले पर यह तनाव इस कदर बढ़ा कि राज्य सरकार ने विधानसभा में एक विधेयक पारित कर राज्यपाल की जगह मुख्यमंत्री को अधिकार सौंपने का फैसला किया था। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

जिम्मेदारी तय करें...

देश की राजधानी होने के नाते उम्मीद की जाती है कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था की स्थिति बाकी जगहों के मुकाबले बेहतर होगी और यहां आपराधिक मानसिकता के लोगों के भीतर पुलिस का खौफ होगा। लेकिन अमूमन हर रोज किसी न किसी इलाके से ऐसी खबरें आती हैं, जिनसे ऐसा लगता है कि वारदात को अंजाम देने से पहले अपराधी के भीतर शायद कानूनी कार्रवाई का कोई डर नहीं होता। हालत यह है कि मामूली बातों पर विवाद या फिर रंजिश का हल कुछ लोग हिंसक टकराव से करना चाहते हैं और इस क्रम में आए दिन किसी न किसी की हत्या की घटनाएं सामने आ रही हैं। बीते दो दिनों में दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में आपसी रंजिश की वजह से दो युवकों की हत्या की घटना ने एक बार फिर यही दर्शाया है कि लोगों के भीतर कानून का डर खत्म होता जा रहा है। उत्तम नगर थाना क्षेत्र में कुछ लड़कों ने एक युवक को पीट-पीट कर मार डाला, वहीं आनंद पर्वत इलाके में भी एक अन्य युवक की हत्या कर दी गई। दोनों मामलों में आपसी रंजिश को मुख्य कारण बताया जा रहा है। दिल्ली में हुई ये घटनाएं आए दिन होने वाली वारदात की महज कड़ियां भर हैं, जिनमें छोटी-सी बात पर विवाद के बाद किसी की हत्या तक कर दी जा रही है। हाल ही में सड़क पर किसी बात पर सिर्फ बहस के बाद कुछ युवकों ने एक कंपनी के प्रबंधक की गोली मार कर हत्या कर दी। कुछ दिन पहले पचासी साल की एक वृद्ध महिला से बलात्कार और हिंसा की खबर आई। ऐसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं और बुजुर्ग तक सुरक्षित नहीं हैं। ऐसा लगता है कि पुलिस की भूमिका वारदात के बाद सिर्फ कार्रवाई की रह गई है। जबकि पुलिस की मौजूदगी और कानून-व्यवस्था के दुरुस्त होने का प्राथमिक असर यह होना चाहिए कि किसी भी व्यक्ति को कोई गैरकानूनी काम करने से पहले यह भय हो कि खुद उसके साथ कानूनन क्या हो सकता है। लेकिन आपराधिक प्रवृत्ति या पेशेवर अपराधियों के दुस्साहस की तो दूर, आम लोगों के बीच भी अक्सर ऐसी घटनाएं होने लगी हैं, जिनमें किसी मामूली बात पर हुई बहस का अंजाम हिंसक टकराव या फिर हत्या के रूप में हो जाती है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक, केंद्रशासित प्रदेशों में 2021 में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की दर सबसे ज्यादा दिल्ली में ही दर्ज की गई। बाकी अपराधों के मामले में तस्वीर इससे अलग नहीं है। आखिर ऐसा क्यों है कि राष्ट्रीय राजधानी होने के बावजूद यहां अपराधों की दर बाकी इलाकों से ज्यादा चिंता पैदा करने वाली है! सरकार और पुलिस के अधिकार क्षेत्र के मसले पर खींचतान का हासिल यह है कि बढ़ती आपराधिक घटनाओं की जिम्मेदारी तय नहीं हो पाती है। निश्चित रूप से पुलिस की कार्यशैली और उसका प्रभाव ऐसा होना चाहिए कि आपराधिक मानसिकता या फिर आक्रामक बर्ताव वाले किसी भी व्यक्ति के भीतर अपनी मंशा को पूरा करने से पहले एक खौफ काम करे और वह अपराध न करे लेकिन जमीनी स्थिति इसके उलट है। दूसरी ओर, दिल्ली की स्थानीय सरकार को इस मोर्चे पर शायद अपनी कोई जिम्मेदारी नहीं महसूस होती है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि अगले कुछ दिनों में जी-20 के सम्मेलन की वजह से दिल्ली दुनिया का केंद्र बनने वाली है।

मोक्ष रथ एवं डी फ्रिज की सुविधा निशुल्क शुभारंभ

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाडा। सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा एवं श्री बाहुबली जैन वेलफेयर सोसाइटी के संचालन में शहर में मोक्ष रथ एवं डी फ्रिज की सुविधा निशुल्क प्रारंभ कर दी गई है। सोसाइटी के अध्यक्ष सुरेंद्र छाबड़ा ने बताया कि मोक्ष रथ की सुविधा का शहर का कोई भी नागरिक लाभ ले सकेगा एवं मृतक आत्मा को 24 घंटे रखने के लिए डी फ्रिज की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। श्री छाबड़ा में कहा कि शहर का कोई भी परिवार श्री बाहुबली जैन वेलफेयर सोसाइटी के मोबाइल नंबर 9829046328, 9829046559, 9829046139 पर संपर्क कर मोक्षरथ एवं डी फ्रिज की सुविधा का लाभ ले।

इंसान की इच्छाएँ ही भटकाती औंर आत्मा को संसार में अटकाती है : महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। इंसान की इच्छाएँ ही भटकाती और आत्मा को संसार में अटकाती है। गुरूवार साहूकार पेठ के जैन भवन में महासती धर्मप्रभा ने सैकड़ों श्रध्दांलूओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि इच्छाएं ही हमे भटकाती और अटकाती है और हमारे समस्त दुःखों की जड़ भी हमारी इच्छाएं ही है। जो हमारी आत्मा को संसार मे अटकाये रखती है।मनुष्य इच्छाओं के गुलाम और दास बनकर सुख नही भोग सकता है और ना हि संसार से तिर पाता है। संसार के रिश्ते केवल शरीर तक ही है, और हमारी आत्मा का रिश्ता अनंत है। फिर मनुष्य इच्छाओं का दास बनकर अपनी गति को बिगाड़ रहा है, और संसार मे भटक रहा है। इंसान के भीतर मे संसार नहीं है यह बात मनुष्य के समझ आ जाए तो वह अपनी इच्छाओं के गुलाम नहीं बन पाएगा और इच्छाओं का दमन करके संसार के भटकाव से आत्मा को मोक्ष दिला सकता है। आश्क्ति और मोह एक ऐसा बंधन है जो हमे संसार से बाहर नहीं निकलने देता है। मनुष्य की महत्वाकांक्षा इतनी है कि वो जिंदगी भर तक उसे पूरा करे तब भी वह पूरा नहीं कर सकता है। लेकिन मनुष्य आध्याम और धर्म के सहारे से इस सच को जान सकता है, की आत्मा का इच्छाओं से कोई लेना देना नहीं है।आत्मा अकेले ही संसार मे आई थी और अकेले ही जाने वाली है। साध्वी स्नेहप्रभा ने कहा कि मनुष्य कि इच्छाएं और अरमान मनुष्य जिंदगी भर तक उसे पूरा करे तब भी वो पूरा नहीं कर सकता है।

डॉ महावीर शास्त्री की कृति भक्तामर प्रश्नोत्तर का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री शांतिनाथ दिग. जिन मंदिर नेमिनाथ जैन कॉलोनी सें . 3 में डॉ. महावीर प्रसाद जैन शास्त्री टोकर द्वारा लिखित भक्तामर प्रश्नोत्तर के आठवें संस्करण का विमोचन विशेष स्वाध्याय प्रेमी' समाज सेवी श्याम एस. सिंघवी उ.अ. द्वारा किया गया है। कार्यक्रम के मुख्यातिथि डॉ. जिनेन्द्र शास्त्री , अध्यक्ष शांतिलाल अखावत थे। इस कृति का प्रकाशन आचार्य समन्तभद्र सत्साहित्य द्वारा किया गया है। इस अवसर पर पं. गजेन्द्र शास्त्री , सुरेश अखावत ,पं. हितंकर शास्त्री , रोशनलाल फांदोत , राजमल टिम्बरवा , अमृतलाल कुणावत ,प्रो विवेक जैन , पारस कचरावत आदि अनेक साधर्मी भाई बहन उपस्थित थे। लेखक डॉ. जैन ने बताया कि भक्तामर जैन समाज सर्वोत्कृष्ट स्तोत्र है। जिसकी रचना दसवी शताब्दी में राजा भोज के काल में हुए मांगतुंगाचार्य ने की थी। इसमें 48 काव्य वंसत तिलका छंद में बने है। इस पर जैन ने काव्य का अर्थ , सरलार्थ ,सारांश , प्रश्नोतर बनाये गये है। अभी तक इसके आठ संस्करण प्रकाशित हो चुके है। यह कृति स्वाध्याय हेतु निःशुल्क दी जा रही है। जिन्हें चाहिये हो वें 8003034801 पर संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं।

आगम का सारभूत-णमोकार मन्त्र: गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका 105 विज्ञाश्री माताजी ने प्रवचन में भव्य जीवों को संबोधन देते हुए कहा कि - जिस प्रकार समुद्र के मंथन से सारभूत अमृत एवं दधि के मंथन से सारभूत घृत उपलब्ध होता है , उसी प्रकार आगम का सारभूत णमोकार मंत्र है जिस प्रकार जल में छिपी हुई विद्युत शक्ति जल के मंथन से उत्पन्न होती है , उसी प्रकार मंत्र के बार-बार उच्चारण करने से मंत्र में छिपी शक्तियां विकसित हो जाती है। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी के तत्वावधान में जन्माष्टमी के पावन अवसर पर नेमीचंद माधोपुरिया चाकसू वालों ने श्री 1008 शांतिनाथ महामंडल विधान का आयोजन किया। आर्यिका माताजी के ससंघ सान्निध्य में अष्टद्रव्य का थाल सजाकर मंडल पर 120 अर्घ्य चढ़ाये गये। तत्पश्चात भक्तिभावों के साथ विधान कर्ता परिवार ने शांतिनाथ भगवान की मंगल आरती की।

महावीर इंटरनेशनल स्पर्श ने मनाया जन्माष्टमी पर्व

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर । किड्स वर्ल्ड प्री स्कूल कोटरा के छोटे नौनिहालों के साथ जन्माष्टमी पर्व हर्षोल्लास से मनाया। उषा जैन चेयरपर्सन ने दीप प्रज्वलन किया। मीना दोसी स्कूल डायरेक्टर ने उषा जैन व निकिता जैन का स्वागत किया। सभी बच्चे कृष्ण-राधा की वेशभूषा में एक से बढ़कर एक तैयार होकर आए थे। सभी बच्चों को चॉकलेट व फ्रूट्स भेंट किए। प्रतियोगिता में प्रथम योहान , द्वितीय कियांश,व तृतीय स्थान पर कियाशा को महावीर इंटरनेशनल स्पर्श की ओर से पुरस्कृत किया गया। अंत में मीना, इतिश्री व सुमन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

राजस्थान के झुंझुनूं में नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत संदर्भ व्यक्ति प्रशिक्षण शिविर आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। (हमारे राजस्थान एंड हरियाणा जनरल एंड मैनेजिंग एडिटर राजेश कुमार शर्मा 8279020996 सिंघाना सतनाली वाले वरिष्ठ पत्रकार की लेखनी से) राजस्थान राज्य के झुंझुनूं जिला मुख्यालय शहर झुंझुनूं स्थित डाइट यानी जिला शिक्षा एवम प्रक्षिषण संस्थान में 6 सितंबर 2023 को नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत एक दिवसीय संदर्भ व्यक्ति प्रक्षिक्षण शिविर आयोजित होने की खबर है। राजस्थान राज्य के अंतर्गत माननीय झुंझुनूं जिला साक्षरता एवम सतत शिक्षा अधिकारी कुलदीप खरबास द्वारा व्हाट्स एप द्वारा प्रेषित साक्षरता विभाग के लेटर पैड पर अपने हस्ताक्षरों एवम मोहर युक्त प्रेस नोट में बताया कि 6 सितंबर 2023 को झुंझुनूं जिला मुख्यालय शहर झुंझुनूं स्थित डाइट परिसर में आयोजित उक्त एक दिवसीए संदर्भ व्यक्ति प्रक्षिशन एवम उजास प्रवेशिका आमुखीकरण कार्यशाला शिविर का उद्घाटन माननीय डाइट उप प्राचार्य सुशीला महला और मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अलसीसर राजेंद्र कुमार के कर कमलों से हुआ । शिविर उद्घाटन समारोह के प्रारंभ में जिला साक्षरता अधिकारी कुलदीप खरबास द्वारा नवभारत साक्षरता कार्यक्रम एवम शिविर का विस्तृत परिचय प्रस्तुत किया गया । मुख्य संदर्भ व्यक्ति कपिल कुमार प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बिशनपुरा द्वारा उजास शिक्षण हेतु स्वयं सेवी शिक्षकों के लिए मार्गदर्शिका एवम महत्वपूर्ण जीवन कौशल की जानकारी अपने प्रस्तुतिकरण में दी गई। मुख्य संदर्भ व्यक्ति नरेंद्र चाहर द्वारा ऑफलाइन /ऑनलाइन कक्षा संचालन एवम सामाजिक चेतना केंद्र के बारे में प्रभावी प्रस्तुतिकरण दिया गया। जिला साक्षरता अधिकारी कुलदीप खरबास द्वारा लर्नर्स असेसमेंट टेस्ट,रिजल्ट शीट एवम पंजीयन फार्म की विस्तृत जानकारी संभागियों को प्रदान की गई।

भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक एवं शांतिधारा की

शनिवार को सांयकाल णमोकार महामंत्र का पाठ एवं भजन संध्या का कार्यक्रम होगा

राजेश जैन अरिहंत. शाबाश इंडिया

टोंक। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन नसिया चतुर्भुज तालाब के पास पुरानी टोंक में गुरुवार भाद्रपद कृष्ण अष्टमी के पावन अवसर पर प्रातः क्षीर सागर से जल लाकर भगवान पार्श्वनाथ एवं चंद्रप्रभु का अभिषेक एवं शांति धारा की गई। राजेश अरिहंत ने बताया कि नसिया में प्रातः भगवान के अभिषेक एवं शांतिधारा के पश्चात भगवान पार्श्वनाथ भगवान चंद्रप्रभु भगवान शांतिनाथ का पूजन कर आचार्य विद्यासागर मुनि सुधा सागर सहित 24 तीर्थंकर भगवान को अर्ध्य एवं श्रीफल समर्पित किए गए। इस अवसर पर छुट्टनमल, अशोक जैन, अजय सोगानी, महेश चौधरी, बिट्टू कासलीवाल, गुड्डू जैन, हीरु जैन आदि ने श्री जी को अर्ध्य एवं श्री फल समर्पित किये। अजय जैन सोगानी ने बताया कि नसिया में शनिवार को सांयकाल णमोकार महामंत्र का जाप एवं भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा जिसमें स्थानीय कलाकारों अजय सोगानी, बाबू सेठी, कमल सोनी चंद्रशेखर अक्षत जैन आदि के द्वारा भजनों की प्रस्तुतिया दी जाएगी इस हेतु नसियां परिसर को सजाया गया है। इसी प्रकार अष्टमी के पावन अवसर पर गुरुवार को पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर पुरानी टोंक में भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक एवं शांति धारा कर भगवान को अर्ध्य एवं श्रीफल समर्पित किए गए इस अवसर पर विनोद बाकलीवाल मनोज मिलाप चंद पदम कुमार हेमंत राकेश कासलीवाल अशोक बीना सारिका मुन्नी देवी सुशीला सुनीता आदि मौजूद थे।

महिला संस्कार सेमिनार धुलियान में आयोजित

धुलियान. शाबाश इंडिया। शांतिनाथ नाथ भगवान के गर्भ कल्याणक दिवस में आर्यिका विन्ध्य श्री माताजी ससंघ द्वारा शिक्षित छोटे-छोटे बच्चो ने शांतिधारा वाचन किया तथा दोपहर को आर्यिका संघ द्वारा त्रिदिवसीय महिला संस्कार सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें जीवनोपयोगी टिप्स वास्तु अनुसार दिया गया। जो 08.09.2023 तक चलेगा, सुवह आर्यिका विन्ध्य श्री माताजी प्रवचन द्वारा किस तरह मंदिर में प्रवेश किया जाता है। क्या बोलना है, कैसे अर्घ चढ़ाना है आदी शिक्षा का पाठ दिया जा रहा है। **संजय कुमार जैन बड़जात्या धुलियान मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल**

हरियाणा के उप मुख्यमंत्री का किया स्वागत

सुधीर शर्मा. शाबाश इंडिया

सीकर । जयपुर रोड़ पर स्थित किया कार के एक्सक्लुसिव शोरूम महरिया किया पर बुधवार को हरियाणा के उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला का सीकर पहुंचने पर स्वागत किया। उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला सीकर में जन नायक जनता पार्टी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आएं थे। इसके बाद महरिया किया पर पहुंचकर उन्होंने महरिया किया की पहली वर्षगांठ पर प्रबंध निदेशक व अन्य सभी के साथ मिलकर केक काटा। इस दौरान पूर्व विधायक नन्द किशोर महरिया, प्रबंध निदेशक सिद्धार्थ महरिया, जेजेपी के युवा प्रदेशाध्यक्ष प्रतीक महरिया व किया स्टाफ ने उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला का गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद दुष्यंत चौटाला ने कस्टमर को गाड़ी की चाबी सौंपीकी। इस दौरान पूर्व विधायक प्रतिभा सिंह, पूर्व जिला प्रमुख एवं जेजेपी महिला विंग की प्रदेशाध्यक्ष रीटा सिंह सहित कई लोग मौजूद रहे।

नुक्कड़ नाटक से दिया मतदाता जागरूकता का संदेश

जिम्मेदार मतदाता बनने की ली शपथ

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। जयपुर रोड स्थित सोफिया गर्ल्स कॉलेज (स्वायत्त) की राष्ट्रीय सेवा योजना एवं जिला परिषद सोशल मीडिया ओरिएंटेशन के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को जिला निर्वाचन अधिकारी के सहयोग से राज्य विधानसभा चुनाव 2023 के लिए मतदान के महत्व और मतदाता के अधिकारों पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज की एनएसएस स्वयंसेवकों ने संयोजक डॉ रुचि माथुर एवम् सिस्टर डॉ स्वप्ना जॉन के निर्देशन में मतदान के महत्व पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया । जिला परिषद के मीडिया अधिकारियों के साथ कॉलेज के छात्राओ ने एक जिम्मेदार मतदाता होने की शपथ ली । मतदान तो करना ही हैं, लेकिन दूसरो को भी मतदान के लिए प्रेरित करना हर भारतीय का कर्तव्य हैं । मीडिया अधिकारी मीना शर्मा और डॉ. समीक्षा वर्मा ने सभा को संबोधित करते हुए मतदाता जागरूकता के लिए प्रेरित किया। राजस्थान मिशन 2030 के तहत निबंध लेखन प्रतियोगिता, मतदाता जागरूकता पर वार्ता और भाषण प्रतियोगिता जैसी विभिन्न गतिविधियों का भी आयोजन किया गया । निर्णायक के रूप में लायंस क्लब की बेटी बचाओ की प्रांतीय सभापति लायन आभा गांधी थी।

संगिनी मैन उदयपुर ने किया ग्रुप की अठाईस शिक्षकों का सम्मान

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप संगिनी मेन उदयपुर द्वारा शिक्षक दिवस बहुत ही हर्ष व उल्लास के साथ विज्ञान समिति सभागार में मनाया। सर्वप्रथम नवकार मंत्र व फेडरेशन सूत्र वाचन किया गया व मंगलाचरण की प्रस्तुति दी गई। ग्रुप अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन ने बताया कि इस अवसर पर ग्रुप की 28 शिक्षिकाओं को ऊपरना, श्रीफल व स्वयं का नाम अंकित किया हुआ पेन देकर सम्मानित किया गया। गुप के लिए गर्व का विषय है कि 28 शिक्षक इस ग्रुप के सदस्य है। शिक्षक सम्मान के साथ ही जन्माष्टमी पर भी प्रस्तुतियां दी गई। ग्रुप के सदस्यों को बिना किसी टोकन मनी के फ्री में जन्माष्टमी पर तंबोला गेम खेलाया गया। गुप की तपस्या करने वाली बहनों की चौबीसी गाकर अनुमोदना की गई। इस कार्यक्रम में ग्रुप के लगभग 100 सदस्यों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ शिखा लोढ़ा द्वारा किया गया। सचिव स्नेहलता पोरवाल द्वारा आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम के अन्त में सभी ने स्वादिष्ट भोज का लुफ्त उठाया।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का शुभारम्भ

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के अन्तर्गत सन्त श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय एवं आचार्य ज्ञानसागर महाविद्यालय एवं छात्रावास में छात्र एवं छात्राओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए परिसर में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का शुभारम्भ किया गया। जिसमें छात्र एवं छात्राओं के अलावा क्षेत्र के आस-पास की जनता को भी इस केन्द्र का लाभ मिलेगा। इस नवीन केन्द्र में टोंक क्षेत्र के पीएमओ के पद से रिटायर्ड डॉ. जगदीश नारायण (एम.बी.बी.एस, फिजीशियन) अपनी सेवाएँ प्रदान करेंगे। आवासीय कन्या महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं एवं ज्ञानसागर महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र को संपूर्ण दवाईयों की निःशुल्क व्यवस्था दानवीर श्रेष्ठी श्री उत्तम कुमार पाण्ड्या की ओर से प्रदान की जायेगी। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डॉ. शीतल चन्द जैन, कार्याध्यक्ष प्रमोद पहाड़िया, मानमंत्री सुरेश कुमार जैन, उपाध्यक्ष उत्तम कुमार पाण्ड्या, संयुक्त मंत्री श्री दर्शन कुमार जैन (बस्सी वाले), सदस्य मुकेश बैनाडा, प्रा. अरूण कुमार जैन आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के अन्त में संस्थान के मंत्री श्री सुरेश कुमार जैन ने आगन्तुकों का आभार प्रदर्शन कर कार्यक्रम का समापन किया ।

जयपुर में बच्चों को एक जगह अलग-अलग टीके लगेंगे

5 साल तक के बच्चों को 11 तरह की बीमारियों से बचाने के लिए लगाए जाएंगे टीके

जयपुर. कासं। जयपुर में जिन बच्चों (जन्म से 5 साल तक की उम्र के) के जरूरी टीके नहीं लगे हैं। उनको एक ही जगह अलग-अलग तरह के 10 टीके लगाने लगाने के लिए मिशन इंद्रधनुष का सेकेंड चरण शुरू किया जाएगा। 11 से 16 सितंबर तक ये अभियान चलेगा। इसमें जिले की तमाम पीएचसी-सीएचसी में बच्चों के साथ-साथ गर्भवती महिलाओं को भी टीके लगाए जाएंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर डॉ. विजय सिंह फौजदार ने बताया- अभियान में टीकाकरण करने के लिए बच्चों और गर्भवती महिलाओं का हैड काउंट सर्वे करवाया जा रहा है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

पावन वर्षा योग 2023 के पोस्टर का हुआ भव्य विमोचन

भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह एवं चातुर्मास समापन व सम्मान समारोह 26 नवंबर 2023 को हर्षोल्लास से होगा सम्पन्न

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे के पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में विराजमान आर्यिका 105 श्री श्रुतमति माताजी, आर्यिका सुबोध मति माताजी स संघ के पावन सानिध्य में आज पावन वर्षा योग 2023 के पोस्टर का सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में भव्य विमोचन हुआ। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए बताया कि वर्तमान में आर्यिका संघ फागी कस्बे में धर्म की भव्य प्रभावना बढ़ा रहा है, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा ने बताया कि उक्त आर्यिका संघ का फागी में तीसरी बार पावन वर्षा होने का सोभाग्य प्राप्त हुआ है, आर्यिका संघ का यह 49 वां पावन वर्षा योग विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ संपन्न होगा। समाज के महामंत्री कमलेश जैन चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम में 13 नवंबर 2023 को 2550 वां भगवान महावीर निर्वाण उत्सव, वषायोग निष्ठापन व दीप मालिक पर्व ,26 नवंबर 2023 को भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह एवं सम्मान समारोह आयोजित होगा, इसी कड़ी में चातुर्मास समिति के महामंत्री विनोद जैन कलवाड़ा ने अवगत कराया की 7 दिसंबर 2023 को आर्यिका संघ का भव्य स्वर्ण 50 वां दीक्षा जयन्ति महा महोत्सव विभिन्न आयोजना के साथ सम्पन्न होगा, चातर्मास समिति के उपाध्यक्ष सुरेंद्र बावड़ी,एवं मितेश लदाना ने बताया कि कार्यक्रम में महावीर प्रसाद, रामावतार नवरत्नमल ,प्रेमचंद , दिलीप कुमार, अनिल कुमार, गणेश, मुकेश, विनोद,अमित एवं आशीष जैन कठमाणा परिवार ने चातुर्मास मंगल कलश स्थापना कर धर्म लाभ प्राप्त किया तथा प्रकाश चंद- विश्वलता, हितेश-सुरभि, कु.अनुष्का बजाज परिवार, श्रीमती चारोली देवी, सोहनलाल, महावीर प्रसाद, सत्येन्द्र कुमार,सुकुमार झंडा पूर्व (प्रधान) फागी, कैलाश चंद ,हनुमान प्रसाद, सीताराम, अशोक कुमार ,विनोद कुमार, भरत कुमार कलवाड़ा परिवार, पारसचंद, रमेशचंद, सुरेश कुमार, सुकुमार ,अशोक कुमार, मनोज कुमार, अक्षत जैन चौधरी परिवार, महावीर प्रसाद पूर्व (प्रधान) रमेश चंद ,विमलकुमार,महेंद्र कुमार,उत्तम कुमार बावड़ी वाला परिवार, जनों सहित सभी ने कार्यक्रम में प्रति एक माह भोजन पुण्यार्जक बनकर धर्म लाभ प्राप्त किया। इसी कड़ी में श्रीमती सौभाग देवी धर्म पत्नी स्व. प्रेमचंद ,महेंद्र कुमार-मंजू, सुरेंद्र कुमार -संगीता, नरेंद्र कुमार- रीना, रोहित कुमार- मुनमुन, अर्चित- वनिता एवं उदक गर्ग बावड़ी वाले परिवार जनों ने पूरे चातुर्मास में दूध पुण्यार्जक बनकर धर्म लाभ प्राप्त किया। समाजसेवी सोहनलाल झंडा ने बताया कि पावन चातुर्मास में सभी धार्मिक कार्यक्रम विभिन्न मंत्रोचारणों के द्वारा प्रसिद्ध प्रतिष्ठाचार्य पंडित श्री कुमुद जी सोनी अजमेर के द्वारा संपन्न कराए जाएंगे,तथा सभी कार्यक्रम चातुर्मास व्यवस्था समिति फागी एवं सकल दिगम्बर जैन समाज फागी की अगुवाई में सम्पन्न होंगे। आज उक्त विमोचन में *समाजसेवी सोहनलाल झंडा, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा, शिखर चंद मोदी, धर्मचंद पीपलू, विनोद जैन कलवाड़ा, सुनील गंगवाल चकवाडा, रमेश चंद बावड़ी, सुरेंद्र बावड़ी, बाबूलाल पहाड़िया चौरू, माणक कासलीवाल, कमलेश जैन मंडावरा,पारस मोदी, सिद्ध कुमार मोदी, कमलेश जैन चौधरी, मितेश जैन लदाना, दीपक कलवाड़ा, त्रिलोक जैन पीपलू तथा राजाबाबु गोधा सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

ईष्या से जीवन मे सुख नहीं आते बल्कि दु:ख आते हैं : महासती प्रितीसुधा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

ईष्या से जीवन मे सुख नहीं आता है बल्कि दु:ख आतें हैं। बुधवार को अहिंसा भवन शास्त्री नगर में महासती प्रितीसुधा ने अनेक श्रध्दांलूओ एवं उपनगरों से पधारें भाई बहनो को सम्बोधित करतें हुए कहा कि स्वार्थ और ईष्या मे मनुष्य इतना अंधा और पागल हो जाता है कि उसे सही और गलत क्या है वह जानकर भी अंजान बनकर अपना ही अहित कर लेता है। ईर्ष्या से कभी किसी का भला नहीं होता है ईर्ष्या का मतलब ही किसी की सफलता से जलना । मनुष्य दूसरों का अनिष्ट चाहने में अपनी ही हानि करता है। देखने में भले हमे लगे कि हम तात्कालिक लाभ हुआ है लेकिन वास्तव में हमें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बड़ी हानि पहुंचती है जिस व्यक्ति का हम बुरा चाहते हैं उस व्यक्ति को तो पता तक नहीं होता कि कोई उसके बारे में बुरे विचार रखता है। किसी के प्रति ईर्ष्या का विचार आने पर स्वयं सबसे पहले ईर्ष्या करने वाले का ही रक्त जलता है और उसके विचार नकारात्मक होने लगते हैं मन में उसकी गाँठ बाँध लेना और फिर उम्र भर के लिए ईर्ष्या और क्रोध को पाल लेना स्वभाव के लिए घातक है ईर्ष्या दूसरों पर वार करती है, परन्तु यह हमारा ही.संहार करती है। इसदौरान धर्मसभा मे अहिंसा भवन के मुख्यमार्ग दर्शक अशोक पोखरना अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह बाबेल, हेमन्त आंचलिया,सुशील चपलोत,हिम्मतसिंह बाफना कूशलसिंह बूलिया,अमरसिंह बाबेल, आदि पदाधिकारियों के साथ महिला मंडल की अध्यक्षा नीता बाबेल,संजूलता बाबेल,रजनी सिंघवी,सुनीता झामड़,मंजु बापना,सरोज मेहता,सुशीला छाजेड, निधि सांड,अनीता चौधरी,सुमित्रा सिंघवी,उषा बाबेल आदि के साथ सैकड़ों श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति रहीं। जन्माष्टमी पर साध्वी प्रितीसुधा विषेश धर्मसभा को सम्बोधित करेगी।

फेडरेशन के तत्वावधान में तीर्थ क्षेत्र सम्मेदशिखरजी की महायात्रा

7से 13अक्टूबर तक होगा आयोजन

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर । दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के तत्वावधान मे आगामी 7 से 13 अक्टोबर को आयोजित तीर्थराज सम्मेद शिखरजी की यात्रा इंदौर से जायेगी। फेडरेशन के मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि महायात्रा की पूर्व तैयारियों के लिए इंदौर से सोशल ग्रुप सदस्य, एवं फेडरेशन पदाधिकारियों का दल प्रदीप चौधरी, हेंसल पहाड़िया, कमल अग्रवाल एवं सुमत लूहाड़िया ने आज तीर्थराज सम्मेद शिखरजी में प.पू. 108 श्री प्रमाणसागरजी महाराज के पावन दर्शन का सौभाग्य प्राप्त किया। दर्शन के पश्चात गुरुदेव ने चर्चा का समय दिया, विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई, पश्चात गुरुदेव ने बहुत बहुत आशीर्वाद प्रदान किया। राजेश जैन दद्दू ने बताया कि गुरुदेव ने महा यात्रा के दौरान तीर्थ राज सम्मेदशिखरजी में आयोजित रथ यात्रा एवं के तत्वावधान में मंडल विधान पूजन के लिए अपना आशीर्वाद प्रदान किया और उनमे सम्मिलित होने का आश्वासन दिया।

चंद्रयान–तीन की सफलता का उत्साह रंगों में समाया

मित्तल ग्रुप कर्मचारियों ने बनाई एक से बढ़कर एक रंगोली

अजमेर. शाबाश इंडिया। चंद्रयान –तीन की सफलता पर देश भर में मनाए जा रहे जश्न के संग अजमेर के मित्तल ग्रुप के कार्मिकों ने भी अपने उत्साह और खुशी को रंगों के माध्यम से प्रदर्शित किया। मंगलवार को मित्तल हॉस्पिटल सभागार में आयोजित इन हाउस रंगोली प्रतियोगिता में मित्तल ग्रुप के कर्मचारियों ने एक से बढ़कर एक विजन के साथ रंगोली बनाकर निर्णायकों को अचम्भित कर दिया। निर्णायकों ने कहा कि प्रतियोगिता में जीत और हार अपनी जगह है पर भारत के मुट्ठी में चांद आने की खुशी जिस तरह प्रतियोगियों ने प्रदर्शित की है वह सभी को गर्व से भर देती हैं। रंगोली प्रतियोगिता का निर्णय एसडीएम अजमेर सुश्री शिवाक्षी खांडल, सहायक कलक्टर सुश्री श्रद्धा गोमे, उपायुक्त नगर निगम श्रीमती सीता वर्मा, तथा एसीएमएस एनडब्ल्यूआर डॉ अजीत सिंह ने किया। प्रतियोगिता में हॉस्पिटल के प्रशासनिक, नर्सिंग, हाउसकीपिंग, फ्रंट ऑफिस स्टाफ, मेंटेनेंस, तकनीकी स्टाफ, मित्तल नर्सिंग कॉलेज स्टाफ की कुल 22 टीम एवं व्यक्तिगत प्रतियोगियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। इससे पूर्व निर्णायकों के आगमन पर मित्तल हॉस्पिटल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एस के जैन, वाइस प्रेसीडेंट श्याम सोमानी, डिप्टी जनरल मैनेजर विजय रांका, अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक डॉ दीपक अग्रवाल, नर्सिंग अधीक्षक राजेन्द्र गुप्ता ने स्वागत किया और हॉस्पिटल की सांस्कृतिक एवं खेलकूद से जुड़ी गतिविधियों से अवगत कराया। निर्णायकों ने हॉस्पिटल प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि निश्चित ही कर्मचारियों के मध्य इस तरह की गतिविधियों के आयोजन से आपसी सहयोग, समन्वय, सौहार्द और सदभाव तो बढ़ता ही है साथ में कर्मचारी दैनिक एक जैसे काम और जिम्मेदारियों से अलग कुछ समय के लिए स्वयं को तनाव मुक्त भी महसूस करता है। ऐसे आयोजन निश्चित ही प्रशंसनीय हैं। सहायक कलक्टर सुश्री श्रद्धा ने कहा कि रंगोली का संयोजन और प्रस्तुति इतनी बढ़ियां थी कि लगा ही नहीं यह कर्मचारियों ने बनाई है, लग रहा था कि यह किसी कॉलेज स्टूडेंट के हाथों की हैं। एसीएमएस एनडब्ल्यूआर डॉ अजीत सिंह ने कहा कि सभी रंगोलियां उम्मीद से कही ज्यादा बेहतरीन और खूबसूरत बनाई गई है। एसडीएम श्रीमती सीता वर्मा और उपायुक्त नगर निगम श्रीमती सीता वर्मा ने सभी प्रतियोगियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के द्वारा प्रस्तुत इतनी सुन्दर रंगोली बनाई गई है कि निर्णय करना ही मुश्किल रहा। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार श्रीमती वंदना हिरानी भार्गव व श्रीमती कविता शर्मा, दूसरा सुश्री योगिता थोमारे तथा तृतीय पुरस्कार संतोष कुमार गुप्ता व दौलत राम शर्मा की टीम को दिया गया। सभी को हॉस्पिटल के निदेशकणों अनिल मित्तल, सुनील मित्तल, डॉ दिलीप मित्तल एवं मनोज मित्तल ने बधाई दीं।

भक्ति से वह शक्ति मिलती है जो मुक्ति का कारण हैं: आचार्य श्री

लोक कल्याण महा मंडल विधान में भक्तो ने की आरती

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। सातिशय पुण्य तीर्थंकर प्रकृति को वाधने में कारण है भक्ति में वह शक्ति मिलती है जो मुक्ति का कारण वनती है प्रकृति अपना काम करती रहती है यहां धर्म की वर्षा हो रही है वहीं प्रकृति ने आसमान से रात्रि में वर्षा होने लगी सब की आश लगी थी ये भाद्रपद मास वर्ष के माह में चक्रवर्ती कहलाता है जिस में सभी धर्मो के पर्व चलते रहते हैं लोग धर्म ध्यान करते रहें उक्त आश्य के उद्गार आचार्य श्रीआर्जवसागर जीमहाराज ने सुभाषगंज मैदान में धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा कहा कि आज जगत कल्याण की कामना के लिए हो रहें श्री लोक कल्याण महा मंडल विधान में सौधर्म इन्द्र वनने का सौभाग्य अजित रितू वरोदिया को एवं चक्रवर्ती वनने का सौभाग्य श्री प्रदीप कुमार अमित कुमार कलेशिया परिवार को मिला जिनका सम्मान पंचायत कमेटी के अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई प्रमोद मंगलदीप दारा तिलक श्री फल स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया वहीं श्रावक श्रेष्ठी वनने का सौभाग्य देवेन्द्र कुमार प्रमोद कुमार मंगलदीप एवं सन्तोष कुमार जैन को मिला जिनका सम्मान थूवोन जी कमेटी के महामंत्री विपिन सिंघाई उपाध्यक्ष गिरीष अथाइखेडा पूर्व कोषाध्यक्ष पदम कुमार पम्मी राजेन्द्र अमन संजय के टी सहित अन्य भक्तों ने किया वहीं मंगलगान जिला खाद्य अधिकारी सुश्री मोनिका जैन ने की। आचार्य श्री ने कहा कि धर्म कार्य करते समय उत्साह में कमी क्यों आती है पहला कारण अज्ञान है आत्मा को तप में तपाना पड़ता है तव दूध से नवनीत वनता है और फिर और अधिक तपस्या करने पर घृत के समान परम पावन मुक्ति पद मिलता है। कर्म अपना फल दे रहे हैं यहां आपके वैठने से कितना पुण्य बड़ गया आपको पता ही नहीं चलता आश्रव वंध संवर और निर्जरा एक साथ चलते हैं क्रिया करने से अकेले पुण्य नहीं मिल रहा है उसके साथ संवर और उसके साथ कर्मो की निर्जरा भी होती है। आचार्य श्री ने कहा कि पाप और पुण्य एक साथ चलते रहते हैं पुण्य प्रकृति शुभ में कारण है वहीं पाप अशुभ मे कारण वनता है जो व्यक्ति नियम संयम लेता है वह असंख्य गुनी कर्मो की निर्जरा करता है अर्थात जो कर्म हमारे उदय में आने वाले हैं उन्हें समाप्त कर देता है।

श्रीकृष्ण का जीवन हम सभी के लिए प्रेरक, स्वार्थी नहीं सारथी बनें: दर्शनप्रभाजी म.सा.

दूसरों के अवगुणों से रहे दूर, गुणों को करें जीवन में स्वीकार। रूप रजत विहार में महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. के सानिध्य में जन्माष्टमी पर विशेष प्रवचन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जब भी धरती पर अन्याय बढ़ता है तो उसे समाप्त करने के लिए भगवान इस धरा पर प्रकट होते है। पूरा विश्व जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण को याद करता है जिन्होंने अत्याचार करने वालों को समाप्त कर इस धरा पर धर्म का राज कायम किया। भक्त बुलाते है तो भगवान अवश्य आते है। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में गुरूवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने जन्माष्टमी के अवसर पर प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से जुड़ी कथा सुनाते हुए कहा कि कृष्ण के विविध नाम थे जिनमें एक नाम मधुसूदन भी है। मधुसूदन ने गायों की रक्षा करने के साथ असहाय मानव का भी कल्याण किया। उनके जन्म पर पूरे गोकुल में उल्लास के माहौल में जन्मोत्सव मनाया गया। उन्होंने जन्माष्टमी पर उपाध्याय मुनि श्री कन्हैयालाल कमल का जन्मदिवस होने से उनका भी गुणानुवाद करते हुए कहा कि जिनशासन की सेवा के लिए समर्पित ऐसे संत धर्म का गौरव बढ़ाते है। धर्मसभा में मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा कि जिनवाणी हमारे दुःख को सुख में बदल देती है। त्याग, सहनशीलता व मानवता के गुण ही व्यक्ति को महान बनाते है। धन से आज तक कोई महान नहीं बन पाया। जिनमें मानवीय गुण नहीं है वह मानव नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण ने अपने जीवन में गुणों का संग्रह किया। कृष्ण एक रूप अनेक है। वह स्वार्थी नहीं सारथी यानि सहयोगी बने। जीवन में सहयोग करने वाला ही आगे बढ़ता है। जैनियों के पास 63 ऐसे श्लाधय (महान) पुरूष है जिनके गुणों को अंगीकार करने पर जीवन सफल हो सकता है। साध्वीश्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने श्रीमद् भागवत की रचना कर कर्म सिद्धांत को प्रतिपादित किया। अपने कर्मो से हम दूर नहीं भाग सकते है। हमारे में दिखावट, मिलावट व सजावट होने से गिरावट आई है। गुण अवगुण में बदले तो गिरावट ओर अवगुण गुण में बदल जाए तो उपर उठेंगे। भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से प्रेरणा लेकर हमे परावलम्बी नहीं बल्कि स्वावलम्बी बनना है। धर्मसभा में तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। उनके जीवन चरित्र से प्रेरणा लेकर हम अपना भी जीवन सुधार सकते है। जीवन में आत्मकल्याण तभी हो सकता जब हम दूसरों के अवगुणों को देखने की बजाय उसके गुणों को देखे। हम दूसरों की बुराईयों को नकारते हुए अच्छाईयों को ग्रहण करने का प्रयास करें। जो भी भक्त सच्चे मन से पुकारता है उसके पास भगवान अवश्य आते है। हमारी आराधना में दिखावा अधिक होने ओर भक्ति कम होने पर वह सार्थक नहीं हो सकती। आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा. एवं तरूण तपस्वी हिरलप्रभाजी म.सा. ने जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में भजन ''जरा इतना बता दे कान्हा तेरा रंग काला क्यों'' की प्रस्तुति दी। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा. का भी सानिध्य रहा। धर्मसभा का संचालन युवक मण्डल के मंत्री गौरव तातेड़ ने किया। अतिथियों का स्वागत श्री अरिहन्त विकास समिति द्वारा किया गया। धर्मसभा में भीलवाड़ा शहर एवं आसपास के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे श्रावक-श्राविकाएं मौजूद रहे। समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा ने बताया कि चातुर्मासिक नियमित प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से 10 बजे तक हो रहे है। प्रतिदिन सूर्योदय के समय प्रार्थना का आयोजन हो रहा है। प्रतिदिन दोपहर 2 से 3 बजे तक नवकार महामंत्र जाप हो रहा है।

पंडित मधुसूदन ओझा जी की 157 वीं जन्म जयंती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

संगोष्ठी में वेदों को विज्ञान की दृष्टि से समझने पर जोर

जयपुर. शाबाश इंडिया। विश्वगुरु दीप आश्रम शोध संस्थान जयपुर के तत्वावधान में महामहोपदेशक समीक्षा चक्रवर्ती विद्यावाचस्पति पंडित मधुसूदन ओझा जी की 157 वीं जन्म जयंती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी गुरुवार को श्याम नगर स्थित संस्थान प्रांगण में आयोजित की गई। इस मौके पर मुख्य वक्ता वेद रहे वैज्ञानिक प्रोड्ड दयानंद भार्गव ने ऋग्वेद यजुर्वेद सामवेद और अथर्ववेद की संहिताओं का प्रयोग करके सभी विद्वानों को आश्चर्यचकित कर दिया। उन्होंने कहा कि यह विज्ञान पं. ओझा जी का अनुसंधान है। इस प्रकार के विज्ञान को उजागर करने के लिए राजस्थान सरकार एवं केंद्र सरकार के द्वारा पं.ओझा वेद विज्ञान के लिए अनुसंधान केंद्र खोले जाएं,जिससे भारत का विज्ञान दुनिया के सामने आए। जयपुर में इस प्रकार के प्रयोग पहले भी हो चुके हैं।

जैसी संगति में रहोगे, वैसे ही बनोगे : आचार्य विनिश्चयसागर

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

भिण्ड। जीवन में संगति हमेशा उच्च लोगों की, बड़े लोगों की करना चाहिए। आपकी जैसी संगति होगी, आप जैसे माहोल में रहेंगे, आप स्वय भी वैसे ही बनते चले जायेगे। इसीलिए अपने आसपास का माहोल और मित्रादि सोच समझकर चुनना चाहिए। जीवन में आप जितने व्यवस्थित व्यक्ति से मिलेंगे, बोलेंगे, उसके साथ रहेंगे, आप भी उतने ही व्यवस्थित होते चले जायेगे। बड़े और अच्छे लोगों में एक नियमित बात यह होती है कि व्यवस्थित बात करते हैं। उनका खानपान, उनका रहन सहन, सभी कार्य उनकी दिनचर्या के हिसाब से सही होता है और दूसरे तरीके से देखें तो जिस व्यक्ति की ये सभी चीजें व्यवस्थित हैं, वही बड़ा व्यक्ति कहला पाता है। उक्त विचार बाक्केशरी जैनाचार्य श्री विनिश्चयसागर महाराज ने ऋषभ सत्संग भवन में दंपत्ति सेमीनार के दौरान उपस्थित दंपतियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

दिंगबर जैन सोशल ग्रुप मैत्री जयपुर द्वारा त्रिदिवसीय कार्यक्रम सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया।
हम सभी के प्रेरणाश्रोत, मार्गदर्शक, मानवसेवा, सामाजिक, धार्मिक गतिविधियों के लिए प्रेरित करने वाले गुरुजी श्रद्धेय प्रदीपकुमार सिंह कासलीवाल की पुण्य स्मृति मे त्रिदिवसीय कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 03 से 05 सितम्बर 2023 तक दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप मैत्री जयपुर द्वारा सामाजिक सरोकार कार्यक्रम के तहत बनाया गया। प्रथम दिवस 3 सितम्बर को दुर्गापुरा गौशाला में गुड़, हरी सब्जीया व चारा खिला कर गौसेवा की गई। कार्यक्रम के दुसरे दिन जिनेन्द्र भक्ति के द्वारा दिनाँक 04 सितंबर को गायत्री नगर जैन मन्दिर में 48 दीपक द्वारा रिद्धि मन्त्रों से भक्तामर स्तोत्र पाठ बड़े भक्ती भाव से किया गया। कार्यक्रम के तृतीय दिवस मुख्य कार्यक्रम के रुप में दिनाँक 5 सितम्बर को गुरु सम्मान के माध्यम से गुरु के प्रति न सिर्फ अपनी कृतज्ञता प्रकट की, अपितु उनका स्मरण करते हुए उनकी स्वभावगत विशेषताओं

को चिरस्थायी बनाने का प्रयत्न किया गया।अध्यक्ष सुनील बड़जात्या ने बताया कि मैत्री, ग्रुप जयपुर के द्वारा डाक्टर नेहा गंगवाल जो कि महावीर कालेज में प्रोफेसर पद पर कार्यरत होने के साथ समाज सेवा में भी समर्पित व्यक्तित्व है, का सम्मान पदमपुरा में आचार्य श्री चेत्य सागर जी महाराज के सानिध्य में एक विशेष कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महावीर स्कूल के सभी पदाधिकारी, शिक्षक,स्टाफ के साथ साथ समाज के गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। इसके साथ साथ मैत्री ग्रुप के सदस्य गौरव जैन पाटनी, मनोज जैन श्रीमती प्रियंका पाटनी तथा श्रीमती रीना अजमेरा (जो कि शिक्षक के साथ-साथ समाज सेवा में भी समर्पित हे) का भी श्रीफल एवं सम्मान पत्र से सम्मानित कर कार्यक्रम सम्पन्न किया गया।

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा राजकीय प्राथमिक विद्यालय,बृज लाल पुरा कच्ची बस्ती, कटेवा नगर, की 4 टीचर्स अनिता काला, कुसुमलता शर्मा,लीला दिवाकर व मंजू शर्मा का माला पहनाकर व गिफ्ट देकर सम्मान किया व बच्चों द्वारा जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम देखा । इस अवसर पर उन्हें बिस्कुट वितरित किये। उक्त कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष लायन रानी पाटनी उपस्थित रही।

जन्माष्टमी पर समारोह आयोजित

मनीष विद्यार्थी. शाबाश इंडिया
सागर। नेहानगर कॉलोनी में जन्माष्टमी के अवसर पर मटकी फोड़ प्रतियोगिता एवं श्री कृष्ण बनाओ प्रतियोगिता कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम में कॉलोनी के सभी बच्चों ने कृष्ण जी की वेशभूषा में भाग लिया । जिसमें आदीश, आर्दश, दीक्षा, शिक्षा, आराध्या ,मौली, रिया, प्रिया आदि बच्चे कृष्ण बने। सभी बच्चों ने मटकी फोड़ कार्यक्रम में हिस्सा लिया जिसमें टीम ए के बच्चों ने मटकी तोड़कर विजेता बनी । सभी बच्चों को सम्मान के रूप में गिफ्ट दी गई एवं सभी ने मिलकर नृत्य करते हुऐ कृष्ण जी का जन्मदिन मनाया तत्पश्चात स्वल्पाहार, आभार के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। मुख्य रूप से सेठ मनीष जैन, अंकित जैन, डॉ. पटेल , मनीष विद्यार्थी ,हरिओम शर्मा , कोशल , अंशु ,नीतू, भारती , सोनल,माधुरी सुचिता आदि उपस्थित रहे ।